मटकी को तो माखन खा गयो रे भजन लिरिक्स

मटकी को तो माखन खा गयो रे,

मारा ताला ने तोड़ायो,
मारा छीका ने तोडायो,
मारा ताला ने तोडायो,
मारा चीका ने तोडायो,
मटकी को तो माखन खा गयों रे,
मटकी को तो माखन खा गयो रे।bd।

सखीया ले जावे कान्हो रास रचावे,
ओतो सखीया ले जावे कान्हो रास रचावे,
नन्दलालो बीन बजा रयो रे,
नन्दलालो बीन बजा रयो रे।bd।

राधा जमना नावा जावे,
एतो सखीया भी आवे,
राधा जमना नावा जावे,
एतो सखीया भी आवे,
सारी सखीया रो चीर चुरा गयो रे,
सारी सखीया रो चीर चुरा गयो रे।bd।

अरे दहिडो चुरावो कान्हो,
मटकीया फोड आवे,
अरे दहिडो चुरावो कान्हो,
मटकीया फोड आवे,
कानुडो रोल मचा गयो रे,
कानुडो रोल मचा गयो रे।bd।

हिरा गुजरी तो गावे कानुडा ने मनावे,
हिरा गुजरी तो गावे कानुडा ने मनावे,
सावरियो दर्श दिखा गयो रे,
सावरियो दर्श दिखा गयो रे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मारा ताला ने तोड़ायो,
मारा छीका ने तोडायो,
मारा ताला ने तोडायो,
मारा चीका ने तोडायो,
मटकी को तो माखन खा गयो रे,
मटकी को तो माखन खा गयों रे।bd।

गायक – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com